UP Board Class 8 Geography Notes Chapter 3 भारत : खनिज सम्पदा

खनिजों के प्रकार :- पृथ्वी पर तीन हज़ार को मुख्यत: धात्विक और अधात्विक खनिजों में वर्गीकृत किया गया है।

धात्विक :- खनिजों में धातु कच्चे रूप में होती है। धातुएँ कठोर पदार्थ हैं , जो ऊष्मा और विधुत को सूचलित करती हैं और जिनमें चमक की विशेषता होती है ।
उदाहरण – लौह अयस्क , बॉक्साइट , मैंगनीज अयस्क ।

धात्विक खनिज लौह अथवा अलौह हो सकते हैं।

लौह खनिजों :- जैसे – लौह अयस्क , मैंगनीज , क्रोमाइट में लोहा होता है।

अलौह खनिज जैसे – सोना , चाँदी , ताँबा , सीसा में लोहा नही होता है।

अधत्विक :- खनिजों में धातुएँ नही होते हैं। चुना पत्थर , अभ्रक , और जिप्सम इन खनिजों के उदाहरण है। खनिज ईंधन जैसे – कोयला और पेट्रोलियम भी अधत्विक खनिज हैं।

खनिजो का खनन :

1. खनन :- पृथ्वी की सतह के अंदर दबी शैलों से खनिजों को बाहर निकालने की प्रक्रिया खनन कहलाती है।

विवृत खनन :- पृष्ठीय स्तर को हटाकर निकाले जाते हैं।

कूपकी खनन :- अधिक गहराई में स्थित खनिजों को निकालने के लिए बनाए जाते हैं।

2. प्रवेधन :- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस धरातल के बहुत नीचे पाए जाते हैं। उन्हें बाहर निकालने के लिए गहन कूपों की ख़ुदाई की जाती है , इसे प्रवेधन कहते हैं।

3. आखनन :- सतह के निकट स्थित खनिजों को जिद प्रकिया द्वारा आसानी से खोदकर निकाला जाता है , उसे आखनन कहते हैं।